डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 118 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 08 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

जंगल में मिली हाथ-पैर बंधी लाश

रतलाम, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के बाजना थाना क्षेत्र में एक युवक का शव मंगलवार रात जंगल में मिला। जिसके हाथ-पैर बंधे हुए थे। अंडरवेयर के अलावा शरीर पर अन्य कोई कपडे नहीं थे। जिस अवस्था में शव मिला है, इसे देख पुलिस हत्या की आशंका जता रही है।

बाजना थाना प्रभारी मोहनसिंह मौर्य ने बताया कि शाम को सूचना मिली थी कि बाजना-कुंदनपुर मांडलिया का घाट जंगल में शव पडा हुआ है। मौके पर पहुंच कर देखा तो शव के हाथ-पैर बंधे हुए थे। सिर से खून निकला हुआ था। चोट के निशान थे। शव 30 से 35 साल के युवक का है। मौके पर एफएसएल अधिकारी अतुल मित्तल भी पहुंचे। आसपास क्षेत्र में पुलिस ने भी जांच की। शव को बाजना सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बुधवार सुबह पीएम किया गया। थाना प्रभारी मौर्य के अनुसार युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। मर्ग कायम किया है। हत्या की आशंका के चलते जांच की जाएगी।

राजमार्ग पर डोडाचूरा के रिटेलर..!

ढाबों पर ट्रक चालकों को बेचा जा रहा डोडाचूरा, थाना पुलिस भी सेट..?

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान सहित अन्य राज्यों में जिले से मादक पदार्थो की तस्करी के मामले सामने आते हैं। लेकिन, लंबे समय से ढाबों पर डोडाचूरा बिकने की बातें भी सामने आ रही है। स्थिति यह है कि रिटेल में डोडाचूरा गोली, चाकलेट की तरह बिक रहा है। इस बात पर मल्हारगढ पुलिस की दो दिन पहले की कार्रवाई ने फिर से मुहर लगा दी। जिसमें महज 75 किलो डोडाचूरा लाकर ढाबा मालिक ने ढाबे पर रखा था। कुछ समय पहले दलौदा पुलिस ने भी कार्रवाई की थी। जिसमें आरोपी ने बताया था कि डोडाचूरा छोटे छोटे पैकेट में भरकर ट्रक चालकों को बेचा जाता है। अभी तक इस तरह की अनेक कार्रवाई हो चुकी है। हालांकि जहां अवैध शराब को ढूंढने के लिए कई बार कार्रवाई की जाती है। उस तरह से मादक पदार्थो की खोज के लिए ढाबों तक पुलिस नहीं पहुंचती। यहां उसके मुखबीर तंत्र भी फैल हो रहे हैं।

लगातार ऐसी कार्रवाई देखने को मिल रही है, जिसमें पुलिस दस किलो या बीस किलो या पचास किलो डोडाचूरा जब्त कर रही है। यह तय है कि 10, 20, 50 किलो डोडाचूरा हरियाणा या पंजाब या अन्य किसी राज्य में नहीं जा रहा था। तय है कि डोडाचूरा की सप्लाय जिले में ही कहीं न कहीं हो रही है। डोडाचूरा का होलसेल और रिटेल बाजार जिले में तैयार हो चुका है। अगर यह कहे कि यह एक बडी गैंग बन चुकी है तो भी गलत नहीं होगा। गोली बिस्कीट की तरह कंपनी, होलसेलर और उसके बाद रिटेलर के पास माल पहुंच रहा है। रिटेलर के पास पहुंचने के बाद उसे छोटे छोटे पैकेट में भरा जाता है। यह पैकेट राजमार्ग पर ट्रक चालकों को बेचे जाते हैं। इस तरह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह से मंदसौर जिला डोडाचूरा के अवैध धंधे की जद में आ चुका है।

इसलिए करते हैं डोडाचूरा का नशा...

लोग मंदसौर से इंदौर तक जाने में ही पीठ दर्द की शिकायत करने लग जाते हैं। लेकिन, ट्रक चालक 16 - 16 घंटे बिना रुके ड्राईव करते हैं। डोडाचूरा का पाउडर पीने से नींद और थकान को महसूस नही होने देता। नींद और थकान दूर होने की वजह से हाईवे पर लंबा सफर करने वाले ट्रक ड्राइवर डोडाचूरा के आदी हो जाते हैं। दिल्ली, लखनऊ और मथुरा हाईवे पर तमाम ऐसे ढाबे हैं, जहां लोग सिर्फ डोडाचूरा का पाउडर पीने रुकते हैं।

ढाबों पर काम करने वाले कर्मचारी रिटेलर...

पहले ढाबों पर डोडाचूरा ट्रक चालकों को बेचने की कई चर्चाएं सामने आया करती थी। लेकिन, ढाबों पर शराब परोसे जाने की खबरों के बाद पुलिस लगातार जांच पडताल कर रही है। शराब के मामले में कोई बडा केस नहीं बनता, लेकिन डोडाचूरा के मामले में बडी धराओं में केस दर्ज होता है। यहीं कारण है कि ढाबों पर अब डोडाचूरा मिलने की चर्चाएं कम हो गई है। लेकिन पुलिस सूत्रों के अनुसार ढाबों पर काम करने वाले कर्मचारियों या पूर्व कर्मचारियों की ट्रक चालकों से खासी पहचान हो चुकी है। अब यही कर्मचारी ट्रक चालको को डोडाचूरा उपलब्ध कराते हैं।

सेक्सवर्धक दवाओं में भी डोडा...

कुछ समय पहले यूपी पुलिस ने डोडाचूरा तस्करों को पकडा था। जिसमें सामने आया कि सड़को पर अक्सर तंबू लगाकर देशी दवाओं के जरिये सेक्स समस्याओं का समाधान करने वाले हकीम भी डोडा पाउडर के बड़े खरीदार हैं। तस्करों के मुताबिक सेक्स वर्धक जड़ी-बूटी बताकर लोगों को डोडा से बनी दवा थमा दी जाती है। तमाम लोग इस डोडा के चूर्ण का नशे के लिए काढा बनाकर भी इस्तेमाल करते हैं। जिले और आसपास भी कई ऐसे नीम हकीम तंबू लगाकर डेरा डाले देखे जा सकते हैं।

ऐसे तो भाड़ा महंगा पड़ जाए...

पुलिस दस बीस किलो डोडाचूरा भी पकड रही है। पिकअप या अन्य छोटे वाहनों में इतनी कम मात्रा में डोडाचूरा नही मिलता है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अन्य राज्यों में यह डोडाचूरा नहीं जा रहा था। दस-बीस किलो डोडाचूरा पिकअप में भरकर अगर अन्य राज्यों में ले जाया जाए तो भाडा ही महंगा पड़ेगा। इससे यह तय है कि डोडाचूरा जिले में ही कहीं सप्लाय हो रहा है। जिले में इसके नशे की गिरफ्त में ज्यादा लोग नहीं है। लेकिन, ट्रक चालकों को इसका नशा काफी रास आता है। इन्हीं को यह डोडाचूरा रिटेल भाव में पैकेट बनाकर बेचा जाता है।

युवा पड़ रहे गौरख धंधे में...

कुछ समय पहले की बात करें तो डोडाचूरा बोरियों में क्विंटलों के हिसाब से पकडा जाता था। इसमें बड़े तस्करों का हाथ हुआ करता था। जिसमें बीच में सिर्फ एक कुरियर होता था। अब दलौदा पुलिस की कार्रवाई ने साबित कर दिया है कि डोडाचूरा हाईवे तक पैकेट में पहुंच रहा है। मतलब साफ है कि खेत से डोडाचूरा तस्कर के यहां। यहां से किसी और जगह और इसके बाद रिटेलर के पास। जहां से पैकेट में पैक होता है। तो इस बड़ी चेन में कई युवा भी शामिल है। बेरोजगारी और कम समय में बडा आदमी बनने के चक्कर में कई युवा इस गौरखधंधे की ओर बढ रहे हैं।

हाईवे पर बेचने में मुनाफा ज्यादा...

यह तय है कि डोडाचूरा जैसी किसी प्रतिबंधित वस्तु को छोटे पैकेट में बेचा जाए तो मुनाफा ज्यादा होगा। मिलावट के साथ ही इसकी कीमत दुगुनी हो जाती है। यह तय है कि हाईवे पर पैकेट में डोडाचूरा ट्रक चालकों को बेचने पर मुनाफा ज्यादा होता है। जिससे कई रिटेलर जिले में तैयार भी हो रहे हैं।

दान राशि गणना – श्री पशुपतिनाथ मंदिर की दान पेटी से प्राप्त दान राशि की गणना का कार्य 07 फरवरी को किया गया। जिसमें बुधवार को 19 लाख 24हजार 800 रुपए प्राप्त हुए। शेष गणना का कार्य गुरुवार को किया जाएगा।

एक सप्ताह से सर्वर डाउन...

आरटीओ के उपभोक्ता परेशान लाइसेंस सहित कई काम अटके

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मेरे लर्निंग लाइसेंस का समय अब पूरा होने वाला है, अब अपना परमानेंट लाइसेंस बनवाना है। इसके लिए कई दिनों से लगातार वेबसाइट पर ट्राई कर रहा हूं, मगर सर्वर डाउन दिखाई दे रहा है। जिसके बाद मैं आरटीओ कार्यालय भी गया। मगर वहां बताया गया कि सर्वर कई दिनों से डाउन है, पता नहीं कब तक शुरू होगा। यह कहना है, मंदसौर के गोपाल का, उन्होंने बताया कि अब पता नहीं कब मेरा लाइसेंस बनेगा। बता दें कि पिछले करीब 6 दिनों से प्रदेश भर में आरटीओ का सर्वर डाउन है, जिसके चलते मंदसौर सहित समूचे प्रदेश के सभी शहरों में यह स्थिति बनी हुई है।

आरटीओ कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस, वाहनों का पंजीयन कार्ड बनवाने सहित वाहनों की फिटनेस व पंजीयन का काम ठप पड़ा हुआ है। इसका कारण बार-बार पोर्टल परिवहन

सारथी व वाहन-चार का सर्वर धीमा चलना है। 6 दिनों से लोग परेशान हो रहे हैं। यहां फिटनेस और अन्य काम नहीं हो पा रहे हैं। फिटनेस कराने से पहले आवेदक के मोबाइल पर ओटीपी जनरेट होता है, लेकिन सर्वर ठप होने से ओटीपी ही नहीं आ रहा। ऐसे में फिटनेस का काम अटका हुआ है।

मंगलवार को सिर्फ 15 मिनट चला सर्वर...

मंगलवार को दोपहर में कई बार सर्वर शुरू हुआ, जिसमें फिटनेस आदि के इक्का दुक्का काम किए गए, इसके अलावा रजिस्ट्रेशन आदि की फाइलें भी आगे बढाई गई, मगर करीब 15 मिनट चलने के बाद सर्वर बंद हो गया। हालांकि लाइसेंस को लेकर किसी आवेदक के पास इस 15 मिनट में ओटीपी नहीं गया।

लगातार आ रही दिक्कत...

पिछले करीब साल भर से लगातार इस तरह की दिक्कत प्रदेशभर में चल रही है, जिसके चलते हर दो से तीन महीने में यह प्रॉब्लम लगातार सामने आती है। जिससे आवेदकों को लगातार दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। बता दें कि सिर्फ भोपाल में रोजाना करीब 1500 से अधिक आवेदक अलग - अलग कामों के लिए आरटीओ कार्यालय पहुंचते हैं।

जिन जातियों को आरक्षण का लाभ मिल चुका है, उन्हें बाहर निकालना चाहिए-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछडी जातियों में जो लोग आरक्षण के हकदार थे और इससे लाभान्वित भी हो चुके हैं, उन्हें अब आरक्षित श्रेणी से बाहर निकालना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि उन्हें अधिक पिछडों के लिए रास्ता बनाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की संविधान पीठ ने मंगलवार को इस कानूनी सवाल की समीक्षा शुरू कर दी कि क्या राज्य सरकार को शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों में अप-वर्गीकरण करने का अधिकार है?

सविधान पीठ ने सुनवाई से पहले दिन कहा कि वह 2004 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की वैधता की समीक्षा करेगा, जिसमें कहा गया था कि राज्यों

के पास आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को आगे उप-वर्गीकृत करने का अधिकार नहीं है. सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह की दलीलों का सारांश देते हुए कहा, इन जातियों को बाहर क्यों नहीं निकालना चाहिए? आपके अनुसार एक विशेष वर्ग में कुछ उपजातियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है. वे उस श्रेणी में आगे हैं. उन्हें उससे बाहर आकर जनरल से मुकाबला करना चाहिए. वहां क्यों करें? जो पिछडे में अभी भी पिछडे हैं, उन्हें आरक्षण मिलने दो. एक बार जब आप आरक्षण की अवधारणा को प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको उस आरक्षण से बाहर निकल जाना चाहिए. महाधिवक्ता ने कहा, यही मकसद है. यदि वह लक्ष्य प्राप्त हो जाता है, तो जिस उद्देश्य के लिए यह अभ्यास किया गया था वह समाप्त हो जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति बी आर गवई, विक्रम नाथ, बेला एम त्रिवेदी, पंकज मिथल, मनोज मिश्रा और सतीश चंद्र शर्मा शामिल हैं। संविधान पीठ की अगुवाई कर रहे मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड सुनवाई के दौरान यह साफ कर दिया कि वह सिर्फ मात्रात्मक डेटा से संबंधित तर्कों में नहीं पडेगी, जिसके चलते पंजाब सरकार को कोर्ट के अंदर 50 फीसदी कोटा प्रदान करना पडा। सुप्रीम कोर्ट उन 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के 2010 के फैसले को चुनौती दे दी गई है. इसमें पंजाब सरकार की मुख्य अपील भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की संविधान पीठ अब इस सवाल की जांच कर रही है कि क्या अन्य पिछडा वर्ग (ओबीसी) की तरह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के अंदर उप-वर्गीकरण की अनुमति दी जानी चाहिए और क्या राज्य विधानसभाएं इस अभ्यास को करने के लिए राज्यों को सशक्त बनाने वाले कानून पेश करने में सक्षम हैं।

ग्रामीण को गाली देने वाले एसडीएम को सीएम ने हटाया

रतलाम, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावरा एसडीएम द्वारा ग्रामीणों के साथ अभद्रता करने वाले एसडीएम को सीएम डा. मोहन यादव ने हटा दिया है।

अपने एक्स हैंडल पर सीएम ने लिखा की ग्रामीणों से अभद्रता का कृत्य, दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। मेरे निर्देश पर एसडीएम को जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया है। सुशासन हमारा मूल मंत्र है। मध्यप्रदेश में नागरिकों से इस तरह का अशोभनीय व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रतलाम जिले के जावरा एसडीएम अनिल भाना का किसानों को गालियां देते हुए वीडियो मंगलवार को सामने आया था। इसमें किसान उनसे कह रहे हैं, साहब, गलत शब्द मत कहिए। प्यार-मोहब्बत से बात करिए। एसडीएम कहते हैं, तुम एक गाली दोगे तो मैं पचीस गालियां दूंगा। मेरे से तमीज से रहना। मुझे जानते नहीं हो। एक किसान से उन्होंने यह तक कहा, समझ नहीं आएगा, कहां जाएगा।मामला सोमवार का है। बडायला चौरासी के किसानों ने यहां रेलवे का दोहरीकरण, गुडयार्ड और एप्रोच रोड का काम रुकवा दिया था। वे ज्यादा मुआवजा और नए अंडरपास की मांग कर रहे थे। एसडीएम रेलवे अफसरों के साथ उन्हें समझाने पहुंचे थे।

मल्हारगढ़ के युवक की जीरन में हत्या..?

संदिग्ध अवस्था में मिली लाश, डाक्टरों के पैनल ने किया पीएम

नीमच, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के जीरन थाना क्षेत्र के सगर ग्राम तालखेडा मार्ग पर बुधवार सुबह एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली। जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर जीरन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बडे अस्पताल भेजा गया। वहीं सूचना पर मृतक के समाज जन, परिजन और ग्रामीण भी बडे अस्पताल पहुंचे। जहां हत्या की आशंका के बीच डॉक्टरों के पैनल पर पोस्टमॉर्टम कराया गया। जानकारी के मुताबिक, जिले के जीरन थाना क्षेत्र के सगरग्राम-तालखेडा मार्ग पर गांव बरखेडा के पास सडक किनारे एक 33 वर्षीय युवक सुंदर लाल पिता रामेश्वर गुर्जर निवासी खेरखेडा तहसील मल्हारगढ जिला मंदसौर का शव पडा मिला। जिसके पास उसकी मोटरसाइकिल भी पडी हुई थी। मगर घटना स्थल के हालात को देखकर परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जाहिर की। परिजनों का कहना है कि युवक की हत्या की गई है। बाइक को इस तरह से रखा गया था जिससे लोगो को हादसा प्रतीत हो।

कार-टैंकर की भिड़ंत में पिता की मौत, पुत्र गंभीर घायल

मांगलिक आयोजन से लौट रहे थे, खेरखेड़ा के निकट हुई दुर्घटना

शामगढ, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मांगलिक कार्यक्रम से अपने घर लौट रहे एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका पुत्र गंभीर घायल हो गया। पिता-पुत्र मांगलिक आयोजन से लौट रहे थे, इसी दौरान खेरखेडा के निकट कार व टैंकर की भिडंत हो गई। दुर्घटना में पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बडे अस्पताल लाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार की शाम 4.30 बजे खेरखेडा टोलबूथ के नजदीक शामगढ से आ रही कार क्रमांक एमपी 44 सीए 2063 को सामने से आ रहे फ्यूल टैंकर क्रमांक आरजे 17 जीए 8174 ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कार में सवार भरत कुमार पिता रामलाल फरक्या उम्र 50 साल निवासी मल्हारगढ की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, कार चला रहा उनका पुत्र हर्षित पिता भरत कुमार उम्र 22 साल गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को एम्बुलेंस की सहायता से सीतामऊस्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने पिता भरत फरक्या को मृत घोषित कर दिया। वहीं बेटे हर्षित का उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है की दोनों पिता पुत्र शामगढ में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रह थे। इसी दौरान खेरखेडा टोल बूथ के निकट हादसे का शिकार हो गए। मामले में सीतामऊपुलिस ने टैंकर को जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

उत्तराखंड विधानसभा में यूसीसी बिल पास

बनेगा समान कानून लागू करने वाला पहला प्रदेश

देहरादून, 7 फरवरी। उत्तराखंड राज्य ने इतिहास रच दिया है। बुधवार को विधानसभा सत्र के दौरान चर्चा के बाद समान नागरिक संहिता बिल पास हो गया। इसी के साथ उत्तराखंड यूसीसी कानून लागू करने वाला पहला प्रदेश बन गया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस विधेयक को सदन में पेश किया था। प्रस्ताव पारित होने से पहले बिल पर बोलते हुए सीएम धामी ने कहा कि आजादी के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 44 के तहत यह अधिकार दिया कि प्रदेश उचित समय पर यूसीसी लागू कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'इसे लेकर लोगों के मन में संदेह है। हमारी

सरकार ने संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप मसौदा तैयार किया है।'

सीएम पुष्कर धामी ने यूसीसी बिल पास होने के बाद कहा–समान नागरिक संहिता उत्तराखंड 2024 विधेयक सदन में पारित होने के बाद मुख्यमंत्री धामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि आज का दिन राज्य के लिए बहुत विशेष है। आज देवभूमि की विधानसभा में ये विशेष विधेयक जिसकी देश में लंबे समय से मांग उठती रही है। उसकी शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा, 'मैं पीएम मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से हमें ये विधेयक विधानसभा में पारित करने का अवसर मिला।'

सभी के लिए समानता का कानून

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता कानून समानता का कानून है। इसके बारे में लोग अलग-अलग बातें कर रहे थे, लेकिन विधानसभा में हुई चर्चा में स्पष्ट हो गया। उन्होंने कहा, 'ये कानून किसी के खिलाफ नहीं है। ये कानून उन माताओं, बहनों और बेटियों के लिए हैं। जिन्हें कुरीतियों के कारण यातनाओं का सामना करना पडता था।'

राज्यपाल के पास भेजा जाएगा

यूसीसी बिल पास होने के बाद राज्यपाल गुरमीत सिंह के पास भेजा जाएगा। गवर्नर के हस्ताक्षर होते ही कानून बन जाएगा। इससे उत्तराखंड के सभी लोगों पर समान कानून लागू हो जाएंगे। अनुसूचित जनजाति के लोगों पर इसके प्रावधान लागू नहीं होंगे। समान नागरिक संहिता का वादा बीजेपी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में किया था। पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्री बनते ही इसे लेकर समिति बन गई थी। इस समिति ने लाखों सुझावों के बाद यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार किया।

उत्तराखंड में यूसीसी बिल लागू होने के क्या बदल जाएगा?

1. बेटे और बेटी का प्रॉपर्टी में समान अधिकार होगा। 2. किसी व्यक्ति की मौत होने पर यूनिफॉर्म सिविक कोड संपत्ति को पति/पत्नी और बच्चों में समान रूप से वितरण का अधिकार देगा। उस शख्स के माता-पिता को प्रॉपर्टी में समान अधिकार मिलेगा। 3. पति-पत्नी को तलाक आधार और एक जैसे कारण होने पर ही मिलेगा। एक पक्ष के कारण तलाक नहीं मिल सकेगा। 4. लिव इन में रहने वालों को इसका रजिस्ट्रेशन कराना होगा। ये सेल्फ डिक्लेशन जैसा है। इस नियम से अनुसूचित जनजाति के लोगों को छूट मिलेगी। 5. लिव इन रिलेशनशिप से कोई बच्चा पैदा होता है तो उसकी जिम्मेदारी कपल को उठानी पडेगी। उन्हें बच्चे को अपना नाम देना होगा।

विचार-मंथन

पैसा और इश्क के लिए देश के साथ गद्दारी

रूस के मास्को स्थित भारतीय दूतावास में तैनात एक कर्मचारी की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ को गुप्त दस्तावेज मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तारी से एक बार फिर यह जरूरत रेखांकित हुई है कि ऐसे कर्मचारियों पर नजर रखने का तंत्र और पुख्ता बनाया जाना चाहिए। हालांकि खुफिया तंत्र की निरंतर निगरानी की वजह से ही उक्त कर्मचारी के कारनामे उजागर हुए और जब वह उत्तर प्रदेश के अपने गांव लौटा तो वहां के आतंकरोधी दस्ते ने उसे धर दबोचा। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। एक लड़की के मोहपाश में फंस कर उसने यह सब किया। अब केंद्रीय गृह विभाग छानबीन कर रहा है कि उस कर्मचारी ने क्या-क्या गुप्त सूचनाएं आइएसआइ को मुहैया कराईं और उसकी एवज में कितने पैसे लिए। हालांकि यह पहली घटना नहीं है जब आइएसआइ को किसी सरकारी अमले ने महत्वपूर्ण गुप्त सूचनाएं उपलब्ध कराईं। पिछले वर्ष रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ के एक बड़े अधिकारी को भी इसी तरह सूचनाएं पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ऐसी जासूसी की कोशिशें प्रायः हर देश करता है, इसलिए इससे निपटने के पुख्ता इंतजाम न हों, तो काफी नुकसान की आशंका बनी रहती है। भारतीय दूतावास के कर्मचारी को इसीलिए आइएसआइ ने अपने जाल में फंसाया कि वहां से सैन्य गतिविधियों की जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है। चूंकि सेना और दूतावासों के बीच नियमित रूप से सैनिकों की तैनाती, उनकी गतिविधियों आदि से जुड़ी जानकारियां साझा की जाती हैं, इसलिए वहां से उनके बारे में पता लगाना आसान होता है। जिस कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया, वह बहुउद्देश्यीय कार्यों में लगा हुआ था, ऐसी सूचनाओं तक उसकी पहुंच आसान थी। हालांकि दूतावासों, रक्षा अनुसंधान संगठन और दूसरे संवेदनशील, अतिगोपनीय और रणनीतिक कार्यों में लगे लोगों पर निरंतर निगरानी रखी जाती है, मगर ऐसे लोगों की राष्ट्र के प्रति निष्ठा ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है। फिर भी आइएसआइ जैसे संगठन अपने बिछाए जाल और प्रलोभन में ऐसे इक्का-दुक्का घर के भेदियों को फांस लेते हैं। पाकिस्तान जैसे देश के लिए जासूसी करने या गोपनीय सूचनाएं उपलब्ध कराने वालों से इसलिए बड़ा खतरा है कि वह हमेशा भारत को अस्थिर करने की ताक में रहता है। छिपी बात नहीं है कि आइएसआइ अपने यहां प्रशिक्षित आतंकियों को भारतीय सीमा में भेजने की रणनीति बनाता रहता है। ऐसे में अगर भारतीय सेना की गतिविधियों की सूचना उपलब्ध हो जाती है, तो उसके लिए अपनी साजिशों को अंजाम देना आसान हो जाता है। हालांकि भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियां भारतीय नागरिकों के पाकिस्तान से संबंधों पर नजर रखती हैं, फिर भी अगर दूतावास जैसी जगहों पर काम करने वाला कोई कर्मचारी भी राष्ट्रद्रोह से बाज नहीं आता, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे लोगों पर निगरानी तंत्र को और चाक-चौबंद बनाने की जरूरत रेखांकित होती है। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ सकता। नियंत्रण रेखा पर वहां की सेना जब-तब गोलीबारी करके इसीलिए भारतीय सेना का ध्यान भटकाने का प्रयास करती रहती है कि आइएसआइ की रणनीति के तहत आतंकवादियों को सीमा पार भेजा जा सके। इस पर काफी हद तक अंकुश लगने के बाद वह भारतीय दूतावासों के जरिए सूचनाएं जुटाने का प्रयास करता है।

चुनाव में बीजेपी का रामबाण बनेगा राम मंदिर?

निरंजन परिहार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा करवा दी है और भावुक होकर उनका वहां पर हमारे राम आ गए हैं कहना भी सबको गदगद कर गया। अब आम चुनाव आने वाला है और उसी से इसे जोड़कर देखा जा रहा है तो राजनीतिक स्तर पर मनोवैज्ञानिक युद्ध और तेज हो गया है। भारत की राजनीतिक धाराओं के गहन जानकारों का मानना है कि मंदिर मुद्दे पर भाजपा की जीत पक्की है। वे दावे के साथ यह भी कह रहे हैं कि देश के विभिन्न अंचलों के श्रद्धालुओं को भव्य राम मंदिर व दिव्य अयोध्या का दर्शन कराकर पार्टी लोकसभा चुनाव तक उन्हें अपना मुरीद बना सकती है।

बीजेपी वैसे भी अबकी बार 400 पार का नारा उछाल ही चुकी है। राम मंदिर का मुद्दा 2023 के चुनाव के लिए रामबाण का रूप धर चुका है, और बीजेपी को केंद्र में अकेले अपने दम पर बहुमत की सीढ़ियां चढ़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक स्तर का महानायक हो जाने का भी बड़ा सहारा मिल रहा है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत पक्की होना ठीक वैसा ही है, जैसे 30 अक्टूबर, 1990 को कारसेवकों ने तमाम बंदिशें तोड़कर बाबरी मस्जिद पर भगवा फहरा दिया था और उसी दिन से यह मान लिया गया था कि हिंदुत्व के विजय अभियान की शुरुआत हो गई है। फिर 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद को जब ढहा दिया गया, तो देश ने उसे हिंदू कार्यकर्ताओं के शौर्य का प्रदर्शन मानकर बीजेपी की सत्ता के शुभारंभ का ऐलान कर दिया था। बाबरी ढांचे पर पहले भगवा फहराया जाना और बाद में उसे ढहाया जाना, ये दोनों ही घटनाएं इतने सालों तक बीजेपी की राजनीतिक यात्रा की सफलता का साधन बनी रहीं, तो फिर राम मंदिर का लाभ बीजेपी को कैसे नहीं मिलेगा, यह तथ्य किसी भी तर्क से परे हैं। इसी कारण राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि चुनावी उपलब्धियों को आगामी सफलता में बदलने के लिए बीजेपी ने जिस तरह से अब तक हर प्रयास किया है, उसी तर्ज पर अब आगामी लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को फिर से सत्ता में आने से विपक्ष द्वारा उसे रोक पाना संभव नहीं लगता। बीजेपी के 400 पार के नारे से देश में एक मनोवैज्ञानिक युद्ध शुरू हो गया है, जिसका एकमात्र उद्देश्य चुनावी मुकाबला शुरू होने से पहले ही विपक्ष का उत्साह ठंडा करके उसे वॉकओवर के लिए विवश कर देना है। बिखरे हुए विपक्ष के बीच ऐसा करना बेहद आसान है। राम मंदिर ने बीजेपी की फिर से, यानी तीसरी बार सत्ता में आने की लड़ाई का मुकाबला आधा कर दिया है और बाकी आधी जंग को जीतना उसके लिए बाएं हाथ का खेल बना दिया है। भारत की जनता ने, कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार में हुए हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार के प्रति नाराजगी जताते हुए, सन 2014 में नरेंद्र मोदी के गुजरात मॉडल पर भरोसा करके वोट दिया था। तब विपक्ष कहता रहा कि बीजेपी और उनके नेता नरेंद्र मोदी राम के नाम पर वोट लेकर सत्ता में आए, लेकिन अयोध्या की देहरी तक भी नहीं आए। बात सही है। दरअसल, अपनी परिवर्तित छवि को लेकर मोदी इतने सतर्क थे कि कभी उन्होंने राम मंदिर बनाने का नाम तक नहीं लिया। अयोध्या मुद्दे व अयोध्या नगरी से रणनीतिक दूरी भी बनाए रखी, और देश के मूड को समझते रहे। हालांकि, सब कुछ भीतर ही भीतर चलता रहा। लेकिन 2019 में जब वे अपनी जीत में कामयाब होकर दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने, तो उधर का रुख किया और अयोध्या, राम व राम मंदिर के बारे में केवल तीन साल में ही पूरी धारणा को बदलकर नई अवधारणा स्थापित कर दी। अब राम मंदिर अपने साक्षात स्वरूप में हम सबके सामने है और राम नाम की दीवानगी भी अपने साकार स्वरूप में देश में सर्वत्र देखने को मिल रही है। अब जब भारत के कोने कोने से लोग रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंच रहे हैं, ऐसे में विपक्ष जिस राम मंदिर का बीजेपी के विरोध में हथियार के रूप में उपयोग करता रहा, उस राम मंदिर का मुद्दा उसे अपने हाथ से जाता दिख रहा है। तब विपक्षी गठबंधन नए तरीके से बीजेपी, प्रधानमंत्री मोदी और संघ परिवार पर हमलों के हथियार तलाश रहा है। विपक्ष कहने लगा है कि बीजेपी और संघ परिवार को अगर यह लगता है कि देश के विभिन्न अंचलों के श्रद्धालुओं को भव्य राम मंदिर व दिव्य अयोध्या का दर्शन कराकर वह लोकसभा चुनाव तक उन्हें अपना मुरीद बनाने की सफलता हासिल कर लेंगे, तो यह शायद ही संभव हो। विपक्ष का यह शायद ही उसे सीधे-सीधे हरा रहा है। हिंदुस्तान की हिंदी पट्टी में राम लहर दिख रही है और राम मंदिर के मामले में, विपक्ष अब दावे के साथ कुछ भी कहने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। हां, विपक्ष इस बार मोदी सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी की बात जरूर करने लगा है, लेकिन यह बता नहीं पा रहा है कि एंटी-इनकंबेंसी है कहां? जबकि प्रधानमंत्री मोदी तो भगवान राम के मंदिर की प्रतिष्ठा करवा कर अपनी तीसरी पारी का मार्ग प्रशस्त करने में सफल हो गए हैं। विपक्ष और खासकर कांग्रेस भले ही कहे कि वह राम या राम मंदिर के नहीं, बीजेपी व प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध है। लेकिन कांग्रेस और उसके साथियों की नीयत राम को लेकर कभी साफ रही नहीं है। वो अपने मुस्लिम वोटबैंक का ही ध्यान अधिक रखते हैं। जबकि दूसरी ओर बीजेपी हिन्दुत्व और राम के नाम पर कभी कोई समझौता नहीं करती। याद कीजिए कि सन 2020 में पांच अगस्त को, जब प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन के समय रामलला को साष्टांग दंडवत के बाद 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव हुए तो भाजपा को कैसी जबरदस्त विजय हासिल हुई और योगी आदित्यनाथ फिर से मुख्यमंत्री बने थे। इसलिए, विपक्ष और कांग्रेस राम मंदिर को लेकर बीजेपी को जितना कटघरे में खड़ा करेंगे, वे खुद ही कैद होते दिखेंगे। राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले हुए हैं। पीछे विपक्ष बिखर रहा है। कांग्रेस को ममता बनर्जी, केजरीवाल और उद्धव ठाकरे समझौते में पूरी सीटें तक देने को तैयार नहीं हैं। फिर विपक्ष चाहे कुछ भी कहे, मल्लिकार्जुन खड़गे की तरह व्यंग करे या फिर उद्धव ठाकरे की तरह धमकी दे, लगातार तीसरी बार सत्ता में तो फिर से बीजेपी ही आती दिख रही है।

जातीय जनगणना पर सियासत क्यों...

विराग गुप्ता

यू.एन. के अनुमान के मुताबिक साल 2030 तक बढ़ती आबादी की जरूरत को पूरा करने के लिए भारत को अढ़ाई गुना संसाधन चाहिए होंगे। आबादी की वजह से गरीबी, अशिक्षा, बाल मृत्यु, प्रदूषण और बेरोजगारी का वायरस बढ़ता जा रहा है। पी.एम. मोदी ने भी लाल किले से कहा था कि जनसंख्या विस्फोट आने वाली पीढ़ी के लिए संकट पैदा करता है। उन्होंने छोटे परिवार की परिकल्पना को देशभक्ति से जोड़ा था, लेकिन कोई कानून बनाने की बात नहीं की। संघ परिवार की चिंता-चीन को पीछे छोड़कर भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का देश बन गया है। जनसंख्या पर काबू पाने के लिए कई उपाय करने वाले चीन में अब 2 और ज्यादा बच्चों को पैदा करने पर जोर दिया जा रहा है। चीन में प्रजनन दर को बढ़ावा देने के लिए सिंगल और अविवाहित महिलाओं को एग फ्रीजिंग व आई.वी.एफ. उपचार की सहूलियत दी जा रही है। भारत में भी अगले 10 सालों में काम करने वाले युवाओं की संख्या में भारी कमी के साथ बूढ़े लोगों की तादाद बढ़ जाएगी। तस्वीर इतनी साफ है तो फिर जनसंख्या नियंत्रण पर नए सिरे से बहस क्यों हो रही है? इसे समझने के लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयानों पर गौर करने की जरूरत है। उनके अनुसार अवैध प्रवासी, धर्मांतरण,बहुविवाह और ज्यादा बच्चों की वजह से कुछ समुदायों की आबादी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। इससे सामाजिक और धार्मिक संतुलन बिगड़ने के साथ कई और खतरे बढ़ रहे हैं। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता के तहत और असम में बहुविवाह को रोकने के लिए कानून बन रहे हैं। कानून बनने से पहले उनसे बचने के लिए भारत में कानूनी सुरंग बनाने का रिवाज है। इसलिए बहुविवाह को रोकने के लिए लिव-इन, गोद लेने और सिंगल पैरेंट के बारे में भी केंद्र और राज्यों को स्पष्ट कानून बनाने होंगे। अवैध प्रवासियों को रोकने के लिए नए कानून की बजाय सीमा पर सख्त सुरक्षा की जरूरत है। धर्मांतरण रोकने के लिए कुछ राज्यों ने पहले से ही कानून बनाए हैं। 1976 में इंदिरा सरकार ने 42वें संविधान संशोधन से परिवार नियोजन को संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत समवर्ती सूची में शामिल किया। नरसिम्हाराव सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए संविधान के अनुच्छेद 47 और 51 में संशोधन का बिल पेश किया था, जो चार दशकों से ठंडे बस्ते में पड़ा है। अनेक राज्यों में 2 से ज्यादा बच्चों वाले लोगों को सरकारी नौकरी, पंचायती चुनाव और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित करने के प्रावधान हैं। करुणाकरण कमेटी ने जनप्रतिनिधियों के लिए 2 बच्चों की शर्त का प्रस्ताव दिया था, जो लागू नहीं हो सका। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में नियुक्त जस्टिस वेंकटचलैया आयोग ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए कई सिफारिशें की थीं। जनसंख्या नियंत्रण के बारे में कांग्रेस, भाजपा, सपा, राजद, शिव सेना और तृणमूल कांग्रेस समेत अनेक पार्टियों के नेता, संसद में 36 निजी विधेयक पेश कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब सांसद थे तो ऑनलाइन पोल करवा कर उन्होंने मोदी सरकार से जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने की मांग की थी। इस लम्बी कहानी के बावजूद, मोदी सरकार ने संसद में बयान दिया था कि दो बच्चों के मानदंड को लागू करने या कानून बनाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। दक्षिण भारत में विवाद जी.डी.पी. यानी गवर्नेंस, डिवेल्पमेंट और परफॉर्मेंस के प्रदर्शन को लेकर है। लेकिन ज्यादा आबादी वाले राज्यों को केंद्र से ज्यादा मदद मिलती है। इसकी वजह से दक्षिण भारत के अनेक विकसित राज्यों में गुस्सा भी है। दक्षिण के राज्यों का संघ बनाने के बारे में कांग्रेसी सांसद सुरेश के बयान पर विवाद हो रहे हैं। नई जनगणना के बाद आबादी के अनुसार राज्यों में लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी। इसके अलावा जातीय जनगणना पर भी सियासत हो रही है। विवादों से बचने के लिए सरकार जनगणना से दूर भाग रही है। जनगणना और एन.पी.आर. को अपडेट करने में लगभग 12000 करोड़ रुपए खर्च का अनुमान है, लेकिन अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने इसके लिए केवल 1277 करोड़ रुपए आबंटित किए हैं। इसलिए 2024 के चुनावी साल में जनगणना होने की उम्मीद नहीं है। साल 2020 में केंद्र सरकार ने अदालत में दिए गए हलफनामे में कहा था कि परिवार नियोजन का दबावपूर्ण कार्यक्रम 1994 की काहिरा संधि का उल्लंघन होगा। अगर यह तर्क सही है तो फिर यू.पी. और असम जैसे राज्यों में जनसंख्या नियंत्रण का कानून बनाने की होड़ क्यों मची है।

आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरने वाला रहा इस बार का आम बजट

केंद्र सरकार ने इस बजट में व्यापारी वर्ग का भी खास ध्यान रखा है। सरकार ने आयकर को यथावत रखा है। इसी प्रकार महिलाओं के विकास पर भी जोर दिया गया है। सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि इस बजट के माध्यम से तीन करोड़ और महिलाओं को लखपति बनाया जाएगा। केंद्र सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट प्रस्तुत कर दिया है। इस बजट में हालांकि कोई व्यापक परिवर्तन नहीं किया है, लेकिन जिस प्रकार पिछले बजट के कारण भारत की दशा और दिशा सुधरी हुई दिखाई देती है, वैसी ही राह का अनुसरण इस बार के बजट में किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले बजटों के माध्यम से भारत ने अर्थ व्यवस्था के मामले में नए कीर्तिमान बनाते हुए एक वैश्विक आयाम स्थापित किया है। जिसकी चर्चा पूरे देश में तो है ही, साथ विश्व के अनेक देश भारत के इन आर्थिक कदमों की प्रशंसा कर रहे हैं। कोरोना काल में जहां एक ओर विश्व के अनेक बड़े देशों की अर्थ व्यवस्था धराशायी हो गई थी, वहीं भारत ने सीना चौड़ा करके एक ऐसी राह का निर्धारण किया, जो भारत को विकसित बनाने में समर्थ है। इस बार का बजट भी निश्चित ही भारत को गरीबी से उबारने का सामर्थ्य पैदा करने वाला ही कहा जाएगा, क्योंकि इस बजट में केंद्र सरकार ने उन बातों पर पुनः फोकस किया जो भारत की गरीब जनता के लिए प्रगति का द्वार खोलती है। केंद्र सरकार भारत की जनता को जातियों के आधार पर नहीं देखती। उसकी नजर में देश में केवल चार ही जातियां हैं। जिसमें किसान, युवा, महिला एवं गरीब ही आते हैं। यह किसी भी जाति का क्यों न होउ इसके लिए इस बजट में भी ध्यान रखा गया है। वास्तव में जिस देश में यह चार वर्ग सशक्त हो जाएं तो उस देश को प्रगति की राह पर जाने से कोई नहीं रोक सकता। मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत ने विकास के रास्ते पर दौड़ लगाई है। इस देश में अब तक करोड़ों वास्तविक गरीबों को आवास मिला है। इसके पूर्व सरकारी सुविधा से निर्मित आवासों में बंदरबांट होता रहा है। जिसमें कई आवास नेताओं के परिजनों को ही मिल जाते थे, जो एक बड़े घोटाले का रूप ले चुका था। केंद्र की मोदी सरकार ने इसमें पारदर्शी तरीके से कार्य करते हुए उन्हीं गरीबों को आवास उपलब्ध कराए, जिनको वास्तव में जरूरत थी। यह आवास हर वर्ग को उपलब्ध कराए, फिर चाहे वह हिन्दू हो अथवा मुसलमान। सरकार भारत की समस्त जनता को अपना परिवार मानकर कार्य कर रही है। उसका नारा भी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास ही है। इस बार के बजट में केंद्र सरकार ने प्रावधान किया है कि आगामी समय में देश के गरीब समाज को गरीबी से बाहर निकालने के लिए दो करोड़ आवास निर्मित किए जाएंगे। इससे जिन मजदूरों की आय का बड़ा हिस्सा मकान किराए के रूप में व्यय होता था, उससे बचा जा सकेगा। मोदी सरकार का यह कदम मोदी की गारंटी को पूरा करने वाला ही कहा जाएगा। इसलिए इस बजट को मोदी की गारंटी को पूरा करने वाला भी कहा जा रहा है। कुल मिलाकर इस बजट को गरीबों को सशक्त बनाने वाला बजट निरूपित किया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। केंद्र सरकार ने इस बजट में व्यापारी वर्ग का भी खास ध्यान रखा है। सरकार ने आयकर को यथावत रखा है। इसी प्रकार महिलाओं के विकास पर भी जोर दिया गया है। सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि इस बजट के माध्यम से तीन करोड़ और महिलाओं को लखपति बनाया जाएगा। विकास की आधारशिला का मुख्य सूत्र माने जाने वाले अधोसंरचना पर भी मोदी सरकार ने प्रमुखता से ध्यान दिया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5139

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5138

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7

वर्ग पहेली 5139

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1919 को बॉलीवुड की पुरानी फिल्मों के संगीतकार (निधन 6 जनवरी 1987) ने जन्म लिया था, सुप्रसिद्ध कृति गीत गोविंद के रचयिता (4)
4. मैथिलीशरण गुप्त की सुप्रसिद्ध कृति, अयोध्या नगरी को यह भी कहते हैं (3)
6. निर्गम, प्रयाण, निकास (3)
7. मूल तत्व, चर्चा, वार्तालाप (2)
8. दृढ़तापूर्वक कही गई बात, नालिश, मुकदमा, अभियोग (2)
9. जालिम, अत्याचारी, दरिंदा (3)
11. यह भारत का प्रथम सम्राट था जिसने मुगल साम्राज्य स्थापित किया (3)
13. चम्पादट्ट को यह भी कहते हैं (3)
14. संगीत में ऋषभ स्वर सूचक शब्द (1)
16. जिसकी कोई सीमा न हो, असीम, छोरहीन (3)
18. भारत के हरियाणा राज्य का एक नगर जो यमुना नदी के समीप स्थित है (4)
19. मर्कट, जुलाहों की माड़ या कूंची (2)
21. मंदगति से भ्रमण करना, मंद गमन करना, खिसकना (4)
22. कदम, पौराणिक, हलका, मोह (3)

ऊपर से नीचे

1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. दो की संख्या, गिरह (2)
3. देवी, कर्जदार, ऋणग्रस्त (4)
4. यह अमिताभ बच्चन अभिनीत पहली फिल्म थी (6)
5. शीघ्रता से, उत्साहपूर्ण (3)
10. महाशय, श्रीमान, महोदय (2)
12. पुण्य दिवस, त्योहार (3)
15. भूत, प्रेम आदि के स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
16. अत्यधिकता, असंख्य, आक्रमण (3)
17. एक डंडे के सिरे पर कपड़ा लपेटकर उसे जलाने से उत्पन्न रोशनी (3)
20. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

वर्ग पहेली 5138 का हल

आज का राशिफल

मेष : ... शुभांक-4-6-7

वृषभ : ... शुभांक-3-5-7

मिथुन

कर्क

सिंह : ... शुभांक-4-6-8

कन्या : ... शुभांक-3-5-7

तुला

वृश्चिक

धनु : ... शुभांक-3-5-8

मकर : ... शुभांक-3-6-9

कुंभ

मीन

वीपीएल-2 के दौरान स्टेडियम में लगी चौकों-छक्कों की झड़ी

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गने डीवाल चैरिटे बल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवे दिन भी मंदसौर स्ट्राईकर्स एवं मंदसौर मेवरिक्स ने अपने-अपने लीग मैच जीतकर टूर्नामेंट में जीत को जारी रखा। दुधिया रोशनी में हो रहे इस अनूठी क्रिकेट प्रतियोगिता में बल्लेबाज चौके-छक्कों की झडी लगा रहे है। खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के लिये बडी संख्या में दर्शक मैदान में पहुंच रहे है। दर्शकों में बच्चे एवं महिलाएं भी उपस्थित होकर मैच का आनंद ले रही है।

पांचवे दिन पहला लीग मैच मंदसौर मेवरिक्स व मंदसौर इंडियन के बीच खेला गया कशमकश व रोमांचक मैच में पहले खेलते हुए मंदसौर मेवरिक्स ने निर्धारित 15 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 159 रनों का लक्ष्य दिया। जिसमें कुवर पाठक ने 19 बॉल पर 44 रन की पारी खेली उन्होंने 7 चौके व 2 छक्के जडे। रमनदीपसिंह ने 10 बॉल में 24 रन (2 चौके 2 छक्के), वरूण लावंडे 14 बॉल पर 26 रन (4 चौके 1 छक्का) बनाये। मंदसौर इंडियन के मयंक रावत व अंकित डाबास ने 2-2 विकेट लिये। जवाब में मंदसौर इंडियन 15 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 149 रन ही बना सकी। मयंक रावत ने 19 बॉल पर धुआंधार पारी खेलकर 43 रन (3 चौके 4 छक्के) बनाये। तथा अर्जुन रापरिया 31 बॉल पर 44 (6 चौके, 1 छक्का) रन बनाये। मंदसौर मेवरिक्स के शुभम गढवाल व शिवम शर्मा ने 2-2 विकेट लिये। मंदसौर मेवरिक्स ने यह मैच 10 रन से जीता। मैन ऑफ द मैच कुंवर पाठक रहे। दूसरा मैच क्रिक स्पार्टन व मंदसौर स्ट्राइकर्स के बीच हुआ। जिसमें क्रिक स्पार्टन 15 ओवर ने 8 विकेट के नुकसान पर 130 ही बना सकी। जिसमें कार्तिक शर्मा ने 25 बॉल पर 38 रन (3 चौके, 4 छक्के), अपूर्व द्विवेदी ने 20 बॉल पर 28 रन (3 चौके, 1 छक्का) बनाये व उमर लेफ्टि ने 18 बॉल पर 26 रन (3 चौके 1 छक्का) का योगदान दिया। मंदसौर स्ट्राईकर्स ने अंकित चौधरी व दीपक पूनिया ने 2-2 विकेट चटकाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए मंदसौर स्ट्राइकर्स ने मात्र 11.5 ओवर में ही 1 विकेट के नुकसान पर 131 रन बना लिये। जिसमें प्रमोद चंदेला ने 36 बॉल पर 65 रन (7 चौके, 1 छक्का), मोहित अलावत ने 22 बॉल 46 रन (2 चौके 4 छक्के) लगाये। मंदसौर स्ट्राईकर्स ने 9 विकेट से मुकाबला जीता। प्रमोद चंदेला को मैन ऑफ द मैच दिया गया। इस अवसर पर वात्सल्य प्रीमियम लीग-2 आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं बडी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

अब सूक्ष्म एवं लघु इकाईयों को समय पर भुगतान करना होगा-सीए जैन

केन्द्रीय बजट पर कर सलाहकार संघ की मीटिंग सम्पन्न

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय बजट तथा एमएसएमई भुगतान पर कर सलाहकार संघ की मीटिंग आयोजित हुई। जिसमें एमएसएमई भुगतान पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सीए दिनेश जैन ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में सूक्ष्म एवं लघु इकाई को समय पर भुगतान करने का नियम लागू हो चुका है। आपने कहा कि आयकर की धारा 43 (बी) (एच) के अनुसार 31 मार्च को विविध लेनदार (सन्ड्री क्रेडिटर्स) के रूप में अगर एमएसएमई एक्ट के अंतर्गत सूक्ष्म और लघु इंटरप्राइजेज का बकाया आ रहा है तो उस बकाया राशि को आपको 15 दिन में भुगतान करने पर ही खर्चा मान्य होगा। अगर सप्लायर या सर्विस प्रोवाइडर के साथ भुगतान की समय सीमा का कोई एग्रीमेंट है तो 31 मार्च को बकाया राशि का भुगतान नियत समय पर जो कि 45 दिन से अधिक नहीं हो सकता में करना अनिवार्य होगा। आसान शब्दों में कहे तो अगर 31 मार्च के दिन आपके लेनदार (क्रेडिटर्स) इस वर्ष के खर्चे या माल खरीदी या सेवाओं के कारण आ रहे है तो वे 15 फरवरी से ज्यादा पुराने नहीं होना चाहिये बशर्ते है कि आपका भुगतान हेतु सप्लायर या सर्विस प्रोवाइडर से अनुबंध 45 दिनों का हुआ हो अन्यथा यह बकाया राशि निश्चित सीमा में भुगतान न होने के कारण आपके खर्चों में से डिसएलाऊ कर दिया जायेगा यानी आपको इस पर आयकर देने की देयता आयेगी। इस तरह के खर्चे जो अमान्य होंगे वह अगले साल जिस साल में भुगतान किया है उस वर्ष में खर्च के रूप में मान्य किये जायेंगे। यहां उल्लेखनीय है कि मध्यम उद्यम (मीडियम इन्टरप्राईजेस) को इस प्रावधान से बाहर रखा गया है।

सीए दिनेश जैन ने बताया कि अगर आपका सप्लायर या सर्विस प्रोवाइडर ट्रेडर्स है तो उसे भुगतान करने की समय सीमा एमएसएमई एक्ट में नहीं दी हुई है। अत: धारा 43 (बी)(एच) का नियम ट्रेडर्स को भुगतान देरी पर करने हेतु नहीं लगेगा। एमएसएमई एक्ट के अनुसार आपको यह ध्यान रखना होगा कि आपका सप्लायर कौन सी श्रेणी का है और उसी अनुसार आपको कानून का पालन भुगतान हेतु करना चाहिये। आपने कहा कि कर सलाहकार संघ के सदस्य अपने-अपने क्लाईट्स को जानकारी देवे तथा उन्हें नये कानून का पालन करने हेतु प्रेरित करे। प्रारंभ में स्वागत भाषण अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र कुमार राणावत ने दिया। जीएसटी बजट पर सीए नयन जैन ने अपने विचार रखे। अंत में आभार सचिव सीए विकास भण्डारी ने माना। इस अवसर पर वरिष्ठ कर सलाहकार सी.एम. जैन, सीए वीरेन्द्र जैन, महेश पारिख, लोकेन्द्र जैन, रमेश जैन, अशोक पाटनी, जितेन्द्र मित्तल, वीरेन्द्र कुमार राणावत, सीए विकास भण्डारी, सीए विनय अग्रवाल, कमल डोसी, सीए अंकुश जैन, सीए नयन जैन, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, मोहित जैन, आदिश जैन आदि उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत शिविर सम्पन्न

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती चावला, भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष सारस्वत ने शिविर का शुभारंभ किया

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार के निर्देशानुसार विकसित भारत संकल्प यात्रा का द्वितीय चरण प्रारंभ हो गया है। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास व आवास विभाग के निर्देशानुसार विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण के अंतर्गत मंदसौर नगर में चयनित स्थानो पर नपा परिषद व जिला प्रशासन के द्वारा शिविरो का आयोजन किया जाना है। कल बुधवार को इसी उपलक्ष्य में संजय गांधी उद्यान मे विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण के अंतर्गत आयोजित पहले शिविर का आयोजन किया गया है ! इस शिविर का शुभारंभ नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला, भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत के द्वारा किया गया। शिविर का उदघाटन के अवसर पर नपा सभापतिगण निलेश जैन, श्रीमती कौशल्या बंधवार, श्रीमती दिपमाला रामेश्वर मकवाना, पार्षदगण आशीष गौड, सुनिता भावसार, सुनिता गुजरिया, दिपक गाजवा, पार्षद प्रतिनिधी राजेश सोनी ऐरावाला, नरेन्द्र बंधवार, नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे भी मंचासीन थे। सभी अतिथियो एवं नपा

के जनप्रतिनिधीयो के द्वारा इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के स्वीकृति पत्रो सोनिधी योजना के स्वीकृत पत्रो, आयुषमान काडो एवं उघमिता विकास केन्द्र के द्वारा प्रमाण पत्रो को भी हितग्राहीयो को वितरित किया गया । इस अवसर पर नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व कन्या पूजन भी किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर के द्वारा इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित नागरिको को विकसित भारत की शपथ दिलाई। सभी अतिथियो ने शासन की योजनाओ के लगाये स्टॉल का भी निरीक्षण किया।

नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि केन्द्र सरकार की जितनी भी जनकल्याणकारी योजनाओ है उनका लाभ हितग्राहीयो को मिल रहा है। हितग्राहीयो को शासन की योजनाओ का लाभ मिले इसीलिये विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत इस प्रकार के शिविर लगाये जा रहे है। हितग्राहीयो को इस प्रकार के शिविरो का लाभ लेना चाहिये। नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला, भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत ने भी इस अवसर पर केन्द्र सरकार की योजनाओ की जानकारी दी। स्वागत उदबोधन नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे ने किया। कार्यक्रम में राजेश गुर्जर महिला बाल विकास के पीसी चैहान, बीआर मुजाल्दे व विभिन्न विभागो शासकीय विभागो के प्रमुख कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। संचालन चंद्रशेखर नागदा ने किया आभार नपा सभापति निलेश जैन ने माना।

मनासा कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश प्रभारी से मिलकर मनासा विधानसभा और जिले की स्थिति से कराया अवगत

मनासा, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अखिल कांग्रेस कमेटी के महासचिव और प्रदेश प्रभारी श्री भंवर जितेंद्रसिंह अलवर, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, जिला प्रभारी श्रीमती नूरी खान से उज्जैन में आयोजित लोकसभा समन्वय समिति के बैठक के दौरान मनासा विधानसभा से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की ओर उक्त नेताओं को विधानसभा चुनाव में मिली हार के कारणों और संगठन के क्रियाकलापों और स्थिति से अवगत कराया। साथ ही जिला कांग्रेस द्वारा मनासा विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ किए गए अभद्र व्यवहार की लिखित शिकायत की ओर कार्यकर्ताओ के आक्रोश से अवगत कराया तथा जिलाध्यक्ष को हटाने की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मनासा विधानसभा और पूरे जिले के संगठन को मजबूत करने हेतु भी सुझाव दिए गए और आगामी लोकसभा चुनाव की रूपरेखा पर भी चर्चा की। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्री रामप्रसाद कसेरा, पीसीसी डेलीगेट श्री सत्यनारायण लक्षकार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्षा श्रीमती मनोरमा मूंदड़ा मनासा, पूर्व अध्यक्ष श्री दिलीप रोदवाल कुकड़ेश्वर, ज़िला महामंत्री श्री महेंद्र उपाध्याय, पार्षद श्री बाबूलाल कुशवाह, शहर मंडलम अध्यक्ष श्री दामु विजयवर्गीय, कांग्रेस नेता श्री मनोज हिंगड़, श्री पवन रावल, श्री सुरेश कुशवाह, श्री सुनील मोदी, श्री विक्रम कुमार आदि साथी उपस्थित रहे।

सिंचाई परियोजना को लेकर किसानों में उत्साह, गति से चल रहा काम

बादपुर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सिंचाई परियोजना मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के मल्हारगढ के गाँवो मे तेजी से चल रहा काम पाइप लाइन बिछाने का काम जोरो पर वही खेतो मे किसान भी योजना को सपोर्ट करते नजर आ रहे है वही जन संपर्क अधिकारी जय प्रकाश सिंह इंजीनियर किसान बंशीलाल अकबर खा लक्ष्मण सिंह, ठेकेदार सागर डाबी द्वारा सिंचाई परियोजना का बुढा के पास से कार्य प्रारंभ कर गति से करने का प्रयास है कार्य दिलीप बिल्डकान कंपनी द्वारा संचालित हो रहा है। किसानि खेती के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था हो जिसको लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

नवागत अधीक्षण अभियंता जैन ने कार्यभार ग्रहण किया

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विद्युत वितरण कंपनी मंदसौर के नवागंतुक अधीक्षण अभियंता श्री आर सी जैन ने आज कार्यभार ग्रहण किया। विद्युत फेडरेशन द्वारा श्री आर सी जैन का आत्मीय स्वागत किया। स्वागत भाषण में विद्युत फेडरेशन ने अधीक्षण अभियंता को बेहतर उपभोक्ता सेवा कर कंपनी द्वारा निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता जताई तथा कर्मचारियों की हल होने लायक समस्याओं का निराकरण समय सीमा में करने की मांग करी। अधीक्षण अभियंता श्री जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी कर्मचारियों को साथ लेकर कंपनी के लक्ष्य पूर्ण करते हुए आपसी चर्चा कर सभी बिंदुओं को प्राथमिकता से हल करवाएंगे। यह जानकारी विद्युत फेडरेशन के कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र चाष्ट ने दी।

नशा मुक्ति उपचार केंद्र मंदसौर का वर्चुवल लोकार्पण आज

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। स्वास्थ्य विभाग के मीडिया प्रभारी श्री कश्यप द्वारा बताया गया कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति उपचार केंद्र मंदसौर का उद्घाटन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा 8 फरवरी को डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ, नई दिल्ली से वर्चुवल मोड से किया जाएगा।

मेजर जनरल महाजन ने नवनिर्मित एनसीसी बटालियन स्थल का किया निरीक्षण

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ निदेशालय के अपर महानिदेशक मेजर जनरल अजय कुमार महाजन भारतीय सेना एवं ग्रुप कमांडर इंदौर ग्रुप मुख्यालय ब्रिगेडियर सौरभ जैन का आगमन सुबह 11:00 बजे मंदसौर हुआ जहां नया खेडा बाईपास से पुलिस पायलटिंग के द्वारा मंदसौर सर्किट हाउस पहुंचे जहां अंडर ऑफिसर सिसो दिया, सार्जेंट वृंदा राणावत, सीएसएम प्राची व्यास, सार्जेंट पराग शर्मा, द्वारा बुके प्रदान कर मेजर जनरल महाजन साहब का स्वागत किया एवं एडीजी महोदय द्वारा चारों कैडेट्स को सम्मानित कर गिफ्ट प्रदान किये, तत्पश्चात मंदसौर नवनिर्मित बटालियन स्थल का निरीक्षण किया गया जहां 5 मध्य प्रदेश स्वतंत्र कंपनी एनसीसी नीमच के कमान अधिकारी कर्नल रिजवान खान, लोक निर्माण विभाग कार्यपालन अधिकारी आदित्य सोनी, तहसीलदार रमेश मासरे, नायब तहसीलदार डामोर, एसडीओ लोक निर्माण विभाग सोनगरा साहब, की उपस्थिति में निरीक्षण किया एवं उपस्थित अधिकारियों को शीघ्र निर्माण कार्य में तेजी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के पश्चात विश्व विख्यात भगवान पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे जहां मेजर जनरल महाजन के द्वारा पूजा अर्चना कर अभिषेक किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान एनसीसी अधिकारी विजय सिंह पुरावत, ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया, टी ओ नरेंद्र जोशी, सूबेदार जयप्रकाश, सीएचएम राजेंद्र सिंह, हवलदार सारजेराव यादव, हवलदार संतोष यादव, साथ में नई आबादी थाना प्रभारी कच्छावा साहब, चंदवासा चौकी प्रभारी गहलोत सर, शामगढ थाना प्रभारी चौधरी सर, उपस्थिति में निरीक्षण किया एवं निरीक्षण पश्चात मंदसौर से नीमच कंपनी की ओर प्रस्थान कीया।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में बैठक आज

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 का अंतिम प्रकाश किया जावेगा। जिसके संबंध में 8 फरवरी 2024 को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सुशासन भवन मंदसौर में बैठक आयोजित की गई है।

ट्रेक्टर ट्रालियों पर रिफलेक्टर लगाने के लिए विशेष अभियान 12 को

नीमच, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में सडक सुरक्षा अभियान के तहत कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में 12 फरवरी 2024 को जिले में उपलब्ध सभी ट्रेक्टर ट्रॉलियों पर रिफलेक्टर लगाने के लिए विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है। जिले में ट्रेक्टर ट्रॉलियों पर रिफलेक्टर लगाने के लिए विशेष अभियान के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद इस अभियान के जिला नोडल अधिकारी है। जिला परिवहन अधिकारी को ट्रेक्टर ट्रॉलियों पर लगाने के लिए 12 हजार रिफलेक्टर की व्यवस्था करने का दायित्वा सौंपा गया है। एसडीएम इस अभियान के विकासखण्ड स्तरीय नोडल अधिकारी एवं जनपद सीईओ सहायक नोडल अधिकारी रहेगें।

जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने बताया कि रिफलेक्ट र लगाने के विशेष अभियान के तहत 12 फरवरी को प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक रिफलेक्टर लगाने का कार्य किया जावेगा। एसडीएम प्रति दो घन्टे में अभियान के तहत लगाये गये रिफलेक्टर एंव ट्रेक्ट र ट्रॉलियों की संख्यात्मिक जानकारी की रिर्पोट देगें। तहसीलदार एवं जनपद सीईओ क्षेत्र का सतत भ्रमण कर, अभियान की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेगें। इस अभियान के तहत 12 फरवरी 2024 को एक दिन में ही जिले की सभी ट्रेक्टर ट्रॉलियों पर रिफलेक्टर लगाने का कार्य किया जावेगा। किसानों और ग्रामीणों से अपील की गई है, कि वे 12 फरवरी 2024 को अपने अपने ट्रेक्टर ओर ट्रॉलियों पर रिफलेक्टओर अवश्य लगवाये और सडक सुरक्षा के इस अभियान में सहभागी बने।

कलेक्टर जैन की पहल रंग लाई....

नि:शुल्क बीपी जांच अभियान का 8167 लोगों को मिला लाभ

नीमच, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टंर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में जिले के नागरिकों के नि:शुल्क बी.पी.जांच के लिए गत 8 जनवरी 2024 से प्रारंभ हुए नि:शुल्क बी.पी.जांच अभियान का लाभ जिले के 8 हजार 167 नागरिकों को मिला है। जिले के 45 मेडिकल स्टोर्स पर आने वाले व्यक्तियों के नि:शुल्क बी.पी. चेक-अप अभियान के तहत गत 28 दिनों में विभिन्न मेडिकल स्टोरों द्वारा कुल 8167 व्यक्तियों का नि:शुल्क बी.पी. चेक किया गया है, जिसमे से लगभग 1088 व्यक्तियों का ब्लड प्रेशर असामान्य पाया गया है, जांच में असामान्यु ब्लड प्रेशर पाए गए। सभी व्यक्तियों को चिकित्सक को दिखाकर विस्तृत जांच कराने हेतु उचित सलाह मेडिकल संचालकों द्वारा दी गई है। मेडिकल स्टो र्स पर बी.पी. की जांच करवाने वाले सभी लोगो को नि:शुल्की जांच कार्ड भी प्रदान किया जा रहा है। मेडिकल स्टोर्स पर संचालित यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। यह जानकारी औषधी निरीक्षक श्री एस.के.तिवारी ने दी है।

बर्डिया निवासी मोहनलाल मेघवाल जब अपूर्व मेडिकल स्टोर्स पर दवाई लेने पहुंचे तो मेडिकल स्टोर पर उनके ब्ल ड प्रेशर की नि:शुल्क जांच की गई। जांच में ब्लड प्रेशर बढा हुआ पाया गया, इसके पहले मोहनलाल को पता ही नहीं था, कि उसका ब्लड प्रेशर सामान्य नहीं है। नि:शुल्क बी.पी.जांच के बाद मेडिकल स्टोर संचालक व्दारा उन्होने डॉ. को दिखाकर उपचार लेने की सलाह दी गई है। मोहनलाल ने कलेक्टर एवं स्वास्थ्य विभाग को नि:शुल्क जांच अभियान के लिए धन्यवाद दिया है। इस तरह नि:शुल्क बी.पी.जांच अभियान की वजह से कई व्यक्तियों को अपने ब्लड प्रेशर के असामान्य होने की जानकारी प्राप्त हुई है और वे चिकित्स क को दिखाकर, उनकी सलाह पर समय पर उपचार का लाभ लेने लगे है।

गांवों का कलस्टर बनाकर पुष्प क्षेत्र विकसित करवाएं-जैन

कलेक्टर ने किया उद्यानिकी और आदिम जाति कल्याण कार्यालय का निरीक्षण

नीमच, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्ट र श्री दिनेश जैन ने बुधवार को उप संचालक उद्यानिकी एवं जिला संयोजक जनजातिय कार्य विभाग कार्यालय का निरीक्षण कर, विभागीय कार्यो योजनाओं की प्रगति, लक्ष्यिपूर्ति का जायजा लिया। कलेक्ट र श्री जैन ने उद्यानिकी कार्यालय में मैदानी अधिकारियों को उनकी योग्यपता के अनुरूप विभागीय कार्य दायित्वउ सौंपने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टिर कार्यालय के सामने एवं भवन में स्थित बगीचों को विकसित करवाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने उद्यानिकी कार्यालय में पदस्थ स्टाफ, स्वीकृत पद, रिक्त पदों की जानकारी ली। उन्होने अधिकारी, कर्मचारियों की दौरा डायरी, उपस्थिति पंजी एवं सेवा अभिलेखों का अवलोकन भी किया। कलेक्टर श्री जैन ने उद्यानिकी कार्यालय में रिकार्ड के बस्ते सुव्यवस्थित तरीके से रखवाने की व्यवस्था करने के

निर्देश दिए। उन्होने जिले में स्थपित नर्सरियों की संख्या और नर्सरियों में पदस्थ कर्मचारियों और उत्पोदित पौधों के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री जैन ने उपसंचालक उद्यानिकी श्री अंतरसिह कन्नौजी को निर्देश दिए कि वे नेटशेड योजना, स्प्रींकलर योजना, ड्रीप योजना के तहत लाभांवित किसानों की नामजद सूची संकलित कर संबंधित नस्तियों में रखे। साथ ही किसानों की सफलता की कहानियों का भी प्रचार प्रसार करवाये। कलेक्टर ने पुष्प क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत गांवों का कलस्टर बनाकर, पुष्पक क्षेत्र विकास करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने जनजातिय कार्य विभाग के जिला संयोजक कार्यालय के निरीक्षण दौरान जिले में रिक्त पदों, जिले में संचालित छात्रावासों की संख्यार, रहवासी विद्यार्थियों की संख्या की जानकारी ली। उन्होने कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी, अवकाश पंजी, सेवा अभिलेखों का अवलोकन किया। कर्मचारी अशोक शर्मा की सर्विस बुक में नामिनेशन फार्म पर प्रथम नियुक्ति के कार्यालय प्रमुख के हस्ताक्षर नहीं होने पर, नवीन नामिनेशन फार्म प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सेवा अभिलेखों में निर्धारित कालमों पर संबंधित कर्मचारियों के हस्ताक्षर करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने जिला संयोजक को निर्देश दिए कि वे कार्यालय में जिले में स्थित सभी छात्रावासों को प्रदर्शित करने वाला जिले का नक्शा तैयार कर लगवाये। साथ ही कार्यालय का पुराना रिकार्ड सुव्यवस्थित रखवाने की व्यवस्थार करें। निरीक्षण में कलेक्टर ने कार्यालयों के स्टाफ कक्षों का निरीक्षण कर, वहां उपस्थित कर्मचारियों से चर्चा कर, उनके व्दारा संपादित विभागीय कार्यो के बारे में भी जानकारी ली। इस निरीक्षण के दौरान उप संचालक उद्यानिकी श्री अंतरसिह कन्नौकजी, जिला संयोजक श्री राकेश राठौर, क्षेत्र संयोजक श्री शिवेन्द्र सिह सोलंकी, अधीक्षक श्री राधेश्यम सूत्रकार एवं अन्यक अधिकारी –कर्मचारी उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	40	2101	2315
उडद	4	5200	8901
सोयाबीन	2932	3505	4660
गैहु	1666	2375	3156
चना	40	5202	5656
मसुर	114	5101	5901
धनिया	542	4301	6591
लहसुन	14000	9000	28800
मैथी	388	4800	6400
अलसी	1131	4701	5000
सरसो	2060	3910	4949
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	4	13300	15400
प्याज	623	416	1534
कलोंजी	49	11300	16561
डॉलर	3	9750	15302
तिल्ली	2	1110	14301
मटरसुखी	4	2400	2400
असालीया	528	7450	8920

*** सफलता की कहानी ***

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से मोइनशाह को मिला 50 हजार रु का ऋण

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान मंदसौर जिले के निवासी श्री मोइनशाह को प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना अंतर्गत 50 हजार रूपये की राशि मिली। खेती एवं व्यवसाय को लाभ का धंधा बनाने हेतु सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओ के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। श्री मोइनशाह को स्ट्रीट वेंडर योजना में अपना पंजीयन करवाकर प्रधानमंत्री पी.एम.स्वनिधि योजना का ऑनलाइन फॉर्म नगर पालिका के माध्यम से बैंक को प्रेषित किया। इन्हें 10,000 (दस हज़ार रूपये) का ऋण प्राप्त हो गया। जिसको उन्होंने किस्तों में चुका दिया। उसके बाद उनको दूसरी बार 20 हजार रूपये प्राप्त हुए। जिसकी राशि उनके द्वारा राशि चुकाने के बाद अब उनको तृतीय बार में 50 हजार रू की राशि प्राप्त हुई है। श्री मोइनशाह कार्पेंट्री का कार्य करते हैं। अब उनके साथ तीन अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना का लाभ प्राप्त होने पर केंद्र एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया।

मंदसौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ तोमर की बेटी...

खुशी तोमर ने सीए फाउंडेशन की परीक्षा 71 प्रतिशत अंक से पास की

परिवारजनों व मित्रजनों के साथ-साथ नोबेल शांति सम्मान प्राप्त कैलाश सत्यार्थी ने दी बधाई

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बुधवार शाम 7:15 बजे सीए फाउंडेशन की परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा में मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर की बेटी प्रतिभावान छात्र खुशी तोमर ने 71% अंक के साथ सीए फाउंडेशन की परीक्षा उत्तीर्ण की। खुशी तोमर की उपलब्धि पर परिवार जनों मित्र जनों के साथ-साथ दुनिया का सर्वोच्च सम्मान नॉबेल सम्मान प्राप्त बचपन बचाओ आन्दोलन के प्रणेता श्री कैलाश सत्यार्थी जी व श्रीमती सुमेधा कैलाश ने वीडियो कॉल कर बिटिया खुशी को बधाई और शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि जब डॉ राघवेंद्र सिंह तोमर व बबीता सिंह तोमर श्री कैलाश सत्यार्थी जी के साथ लगातार कार्य करते थे उस समय बिटिया खुशी छोटी थी और उसका बचपन श्री सत्यार्थी जी के साथ बीताता। उनका लगाव बिटिया खुशी के प्रति सदैव रहा व समय-समय पर वह पूरे परिवार का मार्गदर्शन करते रहते हैं। आज इस उपलब्धि पर उन्होंने खूब सारा आशीर्वाद दिया बधाई शुभकामनाएं दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

नीमच, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र में आने वाले नीमच-सिंगोली मार्ग पर बुधवार सुबह नेवड गांव के समीप एक सडक हादसा हो गया। इस हादसे में एक बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक सडक किनारे खाई में जा गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर 108 एंबुलेंस की मदद से उसे नीमच के बडे अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत परिजन भी बडे पहुंच गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीष उम्र 20 वर्ष महाराज नगर का रहने वाला था। सुबह जल्दी किसी काम से नीमच के लिए निकला था। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। वहीं मृतक के शव का बडे अस्पताल में परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

जिले के 13 सांची दुग्ध पार्लरों को प्रशासन ने किया सील

नीमच, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं एडीएम सुश्री नेहा मीना के मार्गदर्शन में राजस्व अधिकारियों, नगरपालिका और दुग्ध संघ की संयुक्त टीम व्दारा सांची दुग्ध का विक्रय एवं सांची उत्पादों का विक्रय नहीं करते हुए अन्य सामग्री पदार्थो का विक्रय करने वाले तथा दुग्ध संघ के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं करवाने वाले और नगरपालिका से अनुबंध नहीं करवाने वाले 13 दुग्ध पार्लरों को बुधवार को सील कर दिया गया है। अर्थात इन दुग्ध पार्लरों को बंद करवाकर, राजस्व नगरपालिका एवं दुग्धं संघ की टीम व्दयरा सील कर पार्लरों के आसपास किए गए अवैध अतिक्रमण को भी हटा दिया गया है।

कलेक्टर एवं एडीएम के निर्देशन में तहसीलदार श्री संजय मालवीय, नायब तहसीलदार सुश्री जागृति जाट एवं न.पा. तथा दुग्ध संघ की टीम बुधवार को ठाकुर दुग्ध पार्लर कारगिल चौराहा, विनायक दुग्ध पार्लर सिविल हास्पिटल के बाहर, लक्की दुग्ध पार्लर संजीवनी कॉलोनी के बाहर, बाणेश्वरी दुग्ध पार्लर कॉलेज रोड, यश दुग्ध पार्लर जिला पंचायत के सामने, स्वास्तिक दुग्ध पार्लर बीएसएनएल ऑफिस के बाहर, कालिका दुग्ध पार्लर कमल चौक, मिल्कीवे पार्लर स्टैशन रोड, सांची मिल्क पार्लर पारसी की बावडी नीमच, जोगमाया दुग्ध पार्लर गायत्री मंदिर के पास, गणेश दुग्ध पार्लर चौपडा सर्कल, सांची दुग्ध पार्लर यातायात थाने के बाहर एवं सांची दुग्ध पार्लर प्रायवेट बस स्टेलण्ड नीमच को अनुबंध, नवीनीकरण नही करवाकर अवैध रूप से सांची उत्पाद के अलावा अन्य सामग्री विक्रय करने पर बंद करवाकर, सील करवा दिया गया है।

शासकीय संगीत महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दशपुर मंदसौर के लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय ने अपना वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बडी धूमधाम से मनाया गया।

इसमें संस्था के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कई मनमोहक प्रस्तुति दी। इसमें छोटे-छोटे बच्चे-बच्चियों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तथा पुरुषों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती के चित्र और स्वर कोकिला लता जी की तस्वीर पर माल्यार्पण से की गई। प्रारंभ सरवस्ती वंदना कथक नृत्य की प्रस्तुति से की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि अतिरिक्त न्यायाधीश श्री हर्ष सिंह बहरावत ने कहा की एक और जहां बच्चे मोबाइल में अत्यधिक व्यस्त रहते हैं और आज मैं देख रहा हूं वही नन्हे बच्चे यहां संगीत से जुडे हैं साधना कर रहे हैं शास्त्री गायन वादन सीख रहे हैं अभी भूत हूं और बहुत सुंदर कार्यक्रम मुझे देखने को मिल रहा है। पीजी कॉलेज के प्राचार्य श्री एल एन शर्मा ने कहा की मैं जो कुछ हूं अपने गुरु की कृपा से हूं उनके आशीष से हूं जब हम हमारे गुरु स्वयं हमारा नाम ले कर अन्य को बताएं की यह मेरा शिष्य

है सुखद अनुभूति होती है। अपने गुरु से अशीष ले कर खूब साधना कर सीखते रहें। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य और जन भागीदारी समिति अध्यक्ष द्वारा पुष्प गुच्छ से किया गया। महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर उषा अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा हमारा स्टॉफ पूर्ण रूप से समर्पित हो कर कार्य करता है और उसी का परिणाम है बच्चे यहां के गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम भी अंकित करवा कर आए साथ ही शिक्षक गण संस्कृति मंत्रालय की सूचि में है और अन्य विशिष्ट आयोजन में भी अपनी प्रस्तुति देते हैं जैसे तानसेन समारोह, भारत पर्व आदि। यह बच्चों का अपना आयोजन है उनको बधाई भी दी। लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय मंदसौर के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने कहा भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी की द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन आज वार्षिकोत्सव 2024 का आयोजन हमारे लिए मानो लता जी आशीष दे रही हों नेह बरसा रही हो। बच्चों के द्वारा गोली, गायन, कथक नृत्य, वादन तबला वादन, वायलिन आदि में बहुत सुंदर प्रदर्शन किया उसी आयोजित प्रतियोगिता के प्रथम द्वितीय के साथ जनभागीदारी समिति द्वारा 75 वे गणतंत्र दिवस पर प्रस्तुति देने वाले छात्र छात्राओं संग शिक्षक गण को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अल्पना गांधी मैम ने किया। अभय मेहता चंदा डांगी, डॉक्टर उर्मिला तोमर, टी के झाला, अजय डांगी, बंशीलाल टांक, दिलीप सेठिया, विनोद मांदलिया, डॉक्टर उर्मिला तोमर, टी के झाला संतोष सर, दीपक, बी नलवाया सर संजय भारती, प्रदीप कुमार शर्मा अंजू भावसार, नरेंद्र भावसार स्वाति रिछावरा, अजीजुल्लाह खान आदि उपस्थित थे।

वैश्य समाज व्दारा गौशाला में प्रांतीय अध्यक्ष गुप्ता के आतिथ्य में रक्तदान शिविर का आयोजन आज

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। वैश्य महासम्मेलन के जनक स्वतंत्रता सेनानी श्री नारायणप्रसाद गुप्ता नानाजी की स्मृति में वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई मंदसौर के तत्वाधान में 8 फरवरी गुरुवार को स्थानीय कालिदास मार्ग स्थित गोपालकृष्ण गौशाला परिसर में प्रात 8:30 बजे रक्तदान शिविर और सम्मान समारोह का आयोजन प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री एवं वैश्य समाज के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में रखा गया है। समारोह की अध्यक्षता वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री श्री जगदीश अग्रवाल गरोठ करेगें। विशेष अतिथि के रुप में जिला प्रभारी श्री नरेंद्र अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्री जगदीश चंद्र चौधरी, जिला महामंत्री श्री भगवानदासदास विजयवर्गीय ,सकल जैन समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप कीमती, समाजसेवी श्री प्रहलाद काबरा उपस्थित रहेगें।

इस आशय की जानकारी देते हुए वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई के संभागीय अध्यक्ष अमित मारवाड़ी, जिला प्रभारी जगदीश काला , जिला अध्यक्ष राकेश दुग्गड ,जिला महामंत्री दिलीप सेठिया ,प्रोजेक्ट चेयरमैन एडवोकेट गौरव रतनावत, समाजसेवी कमल कोठारी, महिला ईकाई जिला प्रभारी श्रीमती भारती अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्रीमती श्वेता अग्रवाल ने देते हुए बताया कि युवा इकाई के माध्यम से आज 8 फरवरी गुरुवार को संपूर्ण मध्य प्रदेश में वैश्य महासम्मेलन के प्रणेता स्वर्गीय श्री नारायण प्रसाद जी गुप्ता की स्मृति में रक्तदान महादान का आयोजन रखा गया है जिसमें मंदसौर जिला मुख्यालय पर 101 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही वैश्य परिवार जनों का रक्त परीक्षण भी किया जाएगा ताकि रक्त समूह बन सके ।युवा इकाई के पदाधिकारी ने वैश्य समाज के सभी महानुभाव और मातृशक्ति से अनुरोध किया कि 8 फरवरी गुरुवार को प्रात: 8:30 बजे गोपाल कृष्ण गौशाला में रक्तदान शिविर में उपस्थित होकर वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री उमाशंकर गुप्ता का स्वागत करें। आपने बताया कि शिविर का शुभारंभ समारोह निर्धारित समय 8.30 बजे होगा और 9.30 बजे सम्मान समारोह के साथ मंचीय कार्यक्रम समाप्त हो जायेगा तथा उसके पश्चात रक्तदान देने वाले महानुभाव और मातृशक्ति मानव सेवा हितार्थ अपना रक्तदान दिनभर देते रहेंगे।

हरदा जैसे गंभीर मामले में अब तक किसी अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं, शासन की उदासीनता को दर्शाता है-मनजीतसिंह

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मप्र के हरदा में दिल दहला देने वाली हृदय विदारक घटना हुई लेकिन इसके बाद भी शासन कोई बडे एक्शन में नहीं दिखा सिर्फ अन्य जिले के कलेक्टरों को अपने यहां जांच करने के निर्देश दिये।

उक्त बात कहते हुए जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मनजीतसिंह टूटेजा ने बताया कि हरदा में बहुत बडी घटना हुई घटना के 48 घंटे के बाद भी दोषी अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। श्री टूटेजा ने बताया कि छोटे मोटे अधिकारियों पर कार्रवाई कर उन्हें हटाकर प्रदेश के मुखिया मोहन यादव सस्ती लोकप्रियता को हासिल करना चाहते है। लेकिन उन्हें ऐसे दिखावे से उपर उठकर ठोस कार्यवाही करना चाहिए। ताकि इस प्रकार की घटना की पुनरावृति न हो सके। श्री टूटेजा ने कहा कि हरदा में इतना बडा हादसा होना वहां के प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विफलता है। इतनी बडी फटाखा फैक्टरी बिना सुरक्षा इंतजामों के चल रही थी किसी अधिकारी ने उस ओर ध्यान नहीं दिया। अब इतनी बडी घटना होने के बाद अन्य जिलों में अधिकारी दौड लगा रहे है और विस्फोटक सामग्री रखने वाले संस्थानों और गोदामों पर जाकर जांच कर रहे है लेकिन अब तक जो अवैध कार्य कर रहे है वे भी सचेत हो गये है। प्रशासन को तो बारह ही महीनें सक्रिय जांच अभियान चलाना चाहिए ताकि इस प्रकार की घटना घटित न हो। श्री टूटेजा ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रदेश के एक व्यक्ति की कीमत मात्र चार लाख रूपये तय की है यह प्रदेश सरकार की अमानवीय छवि को दर्शाता है। श्री टूटेता ने मांग की है कि मृतक के परिजनों को एक-एक करोड रुपए मिलें। परिवार के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी मिलें। घायलों को 10-10 लाख रुपए मिलना चाहिए।

मामला राम मंदिर के पुजारी को घर से बेदखल करने का...

झोपड़ी में रहने को मजबूर पुजारी का परिवार

किसान नेता जोकचन्द पहुंचे भील्याखेड़ी, अधिकारियों से चर्चा कर फायनेंस कंपनी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

पिपलियामंडी, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ गांव भील्याखेडी में मकान बनाने की के लिए लोन की किस्तें बाकी होने पर राम मंदिर के पुजारी के घर पर ताला लगाने वाली मेन्टोर होम फायनेंस कंपनी कर्मचारियों पर कार्रवाई होना चाहिए, बुधवार को गांव पहुंचे किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने पुजारी से चर्चा की। वर्तमान में पुजारी परिवार के साथ उनके भाई के खेत पर में झोपडी में रहने को मजबूर है। जोकचन्द ने मामले को लेकर सीतामउ तहसीलदार, गिरदावर व ग्राम पटवारी से भी चर्चा की, अधिकारियों ने कार्रवाई में शामिल होने से इंकार कर दिया। जोकचन्द ने बताया कि मेन्टोर होम फायनेंस कंपनी के अधिकारियों ने बिना राजस्व विभाग को सूचित किए पुलिस को साथ लेकर पुजारी गोविन्ददास के घर पर ताला लगा दिया, जो घोर निंदनीय है। अभी तक कोई भी जनप्रतिनिधि व प्रशासन का कारिन्दा पुजारी की सुध लेने नही पहुंचा है। जोकचन्द ने कहा कि इस तरह प्रशासन को सूचित किए एक पुजारी को घर से बेदखल कर दिया और कोई सुध लेने वाला नही है। एक और सरकार गरीबों को आवास योजना का लाभ देने का ढिढोरा पीट रही है, दूसरी और एक गरीब पुजारी को घर से निकाल दिया। 3 लाख के लोन में पुजारी से 20 हजार रुपए बीमे के नाम पर व 50 हजार रुपए अन्य खर्च के नाम पर काट लिए, इसके अलावा 70 हजार रुपए की किस्त भर चुका है। कुछ राशि बकाया होने पर घर के ताला लगाना कहां का नियम है? जोकचन्द ने देश के प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर राम मंदिर के पुजारी के साथ अन्याय करने वाली जयपुर मेन्टोर होम फायनेंस कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

यह था मामला :- उल्लेखनीय है कि किस्त बकाया होने पर गत् 1 फरवरी को नाहरगढ थानान्तर्गत गांव भील्याखेडी में गए मेन्टोर होम फायनेंस कंपनी कर्मचारियों ने पुलिस के साथ मिलकर राम मंदिर के पुजारी के घर में रखे सारे सामान बाहर निकलवाए। यहां तक पुजारी के 100 वर्षीय पिता को भी पलंग सहित घर से बाहर धकेल दिया। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। फायनेंस कंपनी के कर्मचारियों के इस कृत्य की क्षेत्र में काफी निंदा हो रही है।

जिले के 14 गांवों में आज राजस्व सेवा शिविरों का आयोजन

नीमच, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में नीमच जिले में राजस्व विभाग से संबंधित ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए विशेष राजस्व सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज 8 फरवरी 2024 गुरुवार को प्रात: 11 से सायं 4 बजे तक जिले की सभी तहसीलों के 14 ग्रामों में राजस्व अधिकारियों द्वारा विशेष राजस्व शिविर लगाया जाएगा।

इस अभियान के तहत नीमच नगर तहसील के ग्राम पिपलियाबाग व अरनिया कुमार, नीमच ग्रामीण तहसील के ग्राम बिलसवास कलां व भादवामाता व जीरन तहसील के गाँव फोफलिया, जावद तहसील के ग्राम सरवानिया मसानी व दडौली, मनासा तहसील के ग्राम अल्हेवड, मालखेडा, सुवासरा बुजुर्ग, सिंगोली तहसील के ग्राम धनगांव एवं श्रीपुरा, उमर, रामपुरा तहसील के गाँव राजपुरा में राजस्वा सेवा शिविर आयोजित किये जा रहे है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने अधिकाधिक ग्रामीणों से इन राजस्व सेवा शिविरों में उपस्थित होकर लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने ने सम्बन्धित राजस्व अधिकारियो और पटवारियों को निर्देश दिए है, कि वे कोटवारों के माध्यम से सम्बन्धित गाँव में शिविरों की सूचना ग्रामीणों और किसानो को उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे।

शर्मा भारतीय पत्रकार संघ के प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। एक्शन का आंफ इंडियन जर्नलिस्ट भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सोनवणे के द्वारा राष्ट्रीय संगठन मंत्री विनोद सोलंकी की सहमति पर भारतीय पत्रकार संघ मध्य प्रदेश महासचिव पद पर मंदसौर के युवा पत्रकार भारतीय पत्रकार संघ के वर्तमान जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा को नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा देवास की नियुक्ति के बाद प्रदेश के अंदर दूसरी नियुक्ति मंदसौर के युवा पत्रकार मनीष शर्मा की प्रदेश महासचिव पद पर की गई है अब भारतीय पत्रकार संघ के द्वारा मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में नई जिला कमेटी का गठन किया जाएगा। जिला अध्यक्षों की नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव के द्वारा की जाएगी। मंदसौर की युवा पत्रकार भारतीय पत्रकार संघ के वर्तमान जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा की इस नई नियुक्ति पर समस्त मित्रों एवं पत्रकार साथियों के द्वारा उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी गई। नवनियुक्त भारतीय पत्रकार संघ प्रदेश महासचिव मनीष शर्मा मंदसौर के द्वारा बताया गया कि जल्द ही मंदसौर जिला कमेटी की नियुक्ति की जाएगी एवं आगामी संगठन को आगे बढाने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। प्रदेश के अंदर अधिक से अधिक पत्रकारों को संगठन से जोडकर पत्रकारों के जीवन में आने वाली समस्याओं के लिए पूर्ण रूप से संघर्ष किया जाएगा। उक्त जानकारी भारतीय पत्रकार संघ जिला उपाध्यक्ष अंकित बंसल के द्वारा दी गई।

स्कूल शिक्षण संस्थानों में प्रहरी क्लब गठित

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में स्कूल शिक्षण संस्थानों में बच्चों में नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम के लिये प्रहरी क्लब गठित किये गये हैं। इन प्रहरी क्लबों के गठन और काम-काज के विश्लेषण के लिये प्रहरी पोर्टल का निर्माण किया जा रहा है। यह पोर्टल राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा तैयार किया जा रहा है। पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है। प्रहरी क्लब से संबंधित नोडल शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा दी गई लिंक https://prahariclub.ncpcrweb.in पर जानकारी उपलब्ध कराने के लिये कहा गया है।

❊ संयुक्त उठावना ❊

राजमल गर्ग के सुपुत्र , स्व घनश्यामजी जिंदल के दामाद , सुरेश, दिनेश के भतीजे व संजय, महावीर, राकेश, रितेश (टिंकू) , अंकित, आयुष के भाई एवं सोहम के पूज्य पिताजी श्री निलेश गर्ग का असामयिक निधन 6 फरवरी को हो गया है। जिनका संयुक्त उठवाना गुरुवार , 8 फरवरी प्रात: 11.00 बजे हीरा की बगीची (महाराणा प्रताप बस स्टैंड के पास मंदसौर) पर रखा गया है।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
राजमल गर्ग एवम परिवार मंदसौर, गुलजारी लाल जौहरी लालजी जिंदल परिवार नीमच (बैठक प्रतिदिन सांय 7 से 9 बजे तक निवास स्थान माल गोदाम रोड दशरथ नगर पर रहेगी)

मिलेट्स, एग्रीकल्चर, एन्वार्यनमेंन्ट एण्ड हैल्थ विषय पर व्याख्यान संपन्न

मंदसौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा. पी.एल.पाटीदार ने जानकारी दी कि महाविद्यालय में संचालित ईको क्लब के अंतर्गत पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) पर्यावरण विभाग म.प्र.शासन भोपाल द्वारा प्रायोजित पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मिलेटस: एग्रीकल्चर, एन्वार्यनमेंन्ट एडं हैल्थ विषय पर व्याख्यान शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर की वनस्पतिशास्त्र की विभागाध्यक्ष डा.प्रेरणा मित्रा द्वारा दिया गया जिसमें उन्होने विस्तारपूर्वक भारत में पाये जाने वाले सभी मिलेटस के उत्पादन तथा उनमें पाये जाने वाले पोषक तत्वों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देकर छात्राओ को लाभान्वित किया। साथ ही आपने मिलेटस से बनने वाले पारंपरिक एवं आधुनिक व्यजंनों के बारे में विस्तार से बताते हुए अत्यधिक मात्रा में मिलेटस खाने से होने वाले दुष्प्रभावों पर भी चर्चा की। विज्ञान संकाय एवं ईको क्लब की 30 छात्राओं व्याख्यान का लाभ लिया।

इसी पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज दिनांक 07.02.2024 को सीड बैंक (मिलेटस्) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 08 छात्राओं ने मिलकर मिलेटस के बीजों का सीड बैंक बनाया जिनमें प्रथम पुरस्कार कु.रविना कुवर बी.एससी प्रथम वर्ष, द्वितीय पुरस्कार कु.पार्वती माली, बी.एससी द्वितीय वर्ष एवं तृतीय पुरस्कार कु.पूजा पाटीदार, बी.एससी द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन ईको क्लब प्रभारी डा.कविता बुन्देला ने किया। तथा आभार कु.पूजा पाटीदार ने माना। कार्यक्रम में डा.राजश्री ठाकुर, डा.शीला आर्य, सुश्री नौरीन कुरैशी, डा.अंजली जैन, डा.सपना डे आदि भी मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का बड़ा आदेश...

पीएससी 2019 की सभी नियुक्तियां याचिका के अधीन की

इंदौर, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। एमपीपीएससी 2019 को लेकर विवाद समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा। इसके अंतिम परिणाम को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में चुनौती देते हुए एक याचिका प्रस्तुत हुई है। इसमें कहा है कि पीएससी द्वारा 29 नवंबर 2022 को हाई कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का उल्लंघन किया गया है। कोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए सभी नियुक्तियां इस याचिका के अधीन कर दी गई हैं।

वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल कार्यक्रम सम्पन्न

भानपुरा, 7 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला सहकारी बैंक शाखा भानपुरा द्वारा नाबार्ड के वित्तीय सहयोग से वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल कार्यक्रम आज 7 फरवरी को बैंक की शाखा भानपुरा में आयोजित किया गया शाखा भानपुरा में श्री आशीर्वाद मालवीय द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना अटल पेंशन योजना सोसाइटी कंप्यूटरीकरण एटीएम सुविधा फ्रॉट कॉल इत्यादि की जानकारी प्रदान कि गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गरोठ विधानसभा के पूर्व विधायक देवीलाल धाकड, भाजपा मंडल अध्यक्ष अभिषेक माँदलिया, मंडल अध्यक्ष भेसोदा शोधान गुर्जर उपस्थित थे सभी अतिथि और किसान मित्रों का आभार शाखा प्रबन्धक कन्हैयालाल चढार द्वारा किया गया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in